an>

Title: Need to extend Bundelkhand region like benefits to areas along river yamuna in Akbarpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर) ः मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जमुना पट्टी के इलाके को बुंदेलखण्ड जैसी स्थितियाँ होने के कारण बुंदेलखण्ड जैसी सुविधाएं प्रदान किए जाने के संबंध में ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ।

मैं कानपुर नगर एवं देहात के वृहद एवं विस्तारित संसदीय क्षेत्र अकबरपुर का प्रतिनिधित्व करता हूँ। उसका बड़ा भू-भाग यमुना, गंगा, रिहन्द, सेंगुर, पाण्डु, सई नदियों के तटीय बीहड़ों से जुड़ा हुआ है। यूँ कहें कि यमुना नदी बुंदेलखण्ड से इस क्षेत्र की सीमा को विभाजित करती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि बुंदेलखण्ड की परिस्थितियाँ निहायत विषम और चिंताजनक है, लेकिन यहाँ नोट करने वाली बात है कि वर्ष 1954 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार में यह प्रस्ताव आया था कि बुंदेलखण्ड से सटे युमना के तटवर्ती इलाकों की भू-भौतिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ एक सी है एवं यमुना की गहरी धारा से 16 कि.मी. दक्षिण की ओर जोत सीमा का मानक एक समान होने के उपरान्त भी सुविधाएं पृथक हैं जिसका जिक्र मैं कई बार सदन में कर चुका हूँ। अतः बुंदेलखण्ड के साथ इस क्षेत्र के विकास और कल्याण के समान पैमाने एवं कार्यक्रम अपनाए जाने जरूरी है। महज चन्द मीटर की यमुना की गहरी धारा के इस पार समान दुर्गति में जी रही कानपुर नगर व देहात और यूँ कहें की आगरा और इलाहाबाद के बीच की पूरी पट्टी के बेबस और बेसहारा किसानों की सुध ली जानी अत्यंत आवश्यक हो गई है।

मैं सरकार से आग्रह करना चाहूँगा कि आगरा से इलाहाबाद तक की इस दुर्गम यमुना पट्टी के बुंदेलखण्ड के समतुल्य विकास की पहल राज्य सरकार के माध्यम से कराई जाए और इस साझेदारी में केन्द्र सजग निगरानी की भूमिका निभाकर जमीनी हालात को बदलने की पहल करे।